

संदर्भ

सूची

संदर्भ सूची

मराठी

उपासनी, ना.के.(१९७०). सुबोध संख्याशास्त्र, श्री.विद्या प्रकाशन, पुणे.

कदम, चा.प. व शेटे, सु.त्र्यं.(१९९३). शिक्षणातील विचारप्रवाह, समर्थ प्रकाशन, सातारा.

कदम, चा.प. (१९८९). शैक्षणिक संख्याशास्त्र, नूतन प्रकाशन, पुणे.

कळके, शिरगांवे व शेंडगे. (२००५). अध्ययनार्थीचे मानसशास्त्र व अध्यापन प्रक्रिया, फडके प्रकाशन कोल्हापूर

करंदीकर, सुरेश (१९९७). शैक्षणिक मानसशास्त्र, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर

करंदीकर, सुरेश (२००६). शैक्षणिक मानसशास्त्र, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर

कुलकर्णी, के.द्वी. (१९९७). शैक्षणिक मानसशास्त्र, महाराष्ट्र ग्रंथ निर्माती मंडळ, नागपूर

कुंडले, मधुकर बाळकृष्ण. (१९९७). मराठीचे अध्यापन, श्री.विद्या प्रकाशन, पुणे.

गाजरे, रा.वि. व चिटणीस अशुमती. (२००६). अध्ययन अध्यापनाचे मानसशास्त्र आणि मानसशास्त्रीय प्रयोग, नित्यनूतन प्रकाशन पुणे.

गवस, राजन (१९९५). मराठीची आशययुक्त अध्यापन, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे.

जगताप, ह.ना.(१९८८). शैक्षणिक व प्रायोगिक मानसशास्त्र, नूतन प्रकाशन पुणे.

जगताप, ह.ना.(१९८८). शैक्षणिक तंत्रविज्ञान, नूतन प्रकाशन पुणे.

जोशी, अनंत. (१९९९). आशययुक्त अध्यापन पद्धती. यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ नासिक.

तडसरे, वि.दि. (२०००). मानसशास्त्र, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर

तडसरे, वि.दि. (२०००६). मानसशास्त्र, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर

- दुनाखे, अरविंद (२००५) मराठीचे आशययुक्त अध्यापन, नित्यनूतन प्रकाशन, पुणे.
- दांडेकर, वा.ना. (१९९८) शैक्षणिक व प्रायोगिक मानसशास्त्र, मोघे प्रकाशन, कोल्हापूर.
- दांडेकर, वा.ना. (२०००). शैक्षणिक व प्रायोगिक मानसशास्त्र, मोघे प्रकाशन, कोल्हापूर.
- देशमुख, एल.जी.(२००४). शैक्षणिक मानसशास्त्र व अध्यापन शास्त्र, फडके प्रकाशन,
कोल्हापूर
- नानकर, प्र.ल.व शिरोडे सं.नं.(२००५). सुबोध शैक्षणिक व प्रायोगिक मानसशास्त्र,
नित्यनूतन प्रकाशन, पुणे.
- पवार, ना.ग. (२००५). मातृभाषा मराठीचे आशययुक्त अध्यापन, नूतन प्रकाशन, पुणे.
- पंडित, बन्सी बिहारी. (१९९७). शिक्षणातील संशोधन, नूतन प्रकाशन, पुणे.
- पारसनिस, न.रा. (१९९०). प्रगत शैक्षणिक मानसशास्त्र, नित्यनूतन प्रकाशन, पुणे.
- पाटील, लिला. (१९८३). आजचे अध्यापन, श्री.विद्या प्रकाशन, पुणे.
- पाटील, लिला. (१९९९). अर्थपुर्ण आनंद शिक्षणासाठी, उमेष प्रकाशन पुणे.
- बडवे, शा. (२००४). विकासाचे व अध्यापनाचे मानसशास्त्र, विद्या प्रकाशन, नागपूर
- बोंदार्डे, भिताडे, जगताप. (२००५) आशययुक्त अध्यापन पद्धती, नित्यनूतन प्रकाशन,
पुणे.
- भिताडे, वि.ग. (१९८९). शैक्षणिक संशोधन पद्धती, नूतन प्रकाशन, पुणे.
- मुळे, रा.श. व उमाटे, वि.तु. (१९७७). शैक्षणिक संशोधनाची मुलतत्वे, महाराष्ट्र
विद्यापीठ ग्रंथ निर्मिती मंडळ, नागपूर.
- महाराट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती आणि अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, बालभारती,
(१९९६). पुणे.
- येवले, सिमा. (२००५). शैक्षणिक तंत्रविज्ञान आणि माहिती तंत्रविज्ञान, नित्यनूतन
प्रकाशन, पुणे.
- यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, (२००३). पाठनियोजन कौशल्ये.

- वाळिंबे, रा.श. (१९५५). साहित्य मीमांसा, कॉन्टिनेटल प्रकाशन, पुणे.
- शेटकर, गणेश व जोशी, शोभना (२०००) पाठनियोजन, मृण्ययी प्रकाशन, औरंगाबाद.
- शिंदे, ज्ञानदेव व टोपकर, रेखा (२००५). इतिहासाचे आशययुक्त अध्यापन, नित्यनूतन प्रकाशन, पुणे.
- शेटगे, मधुकर तुकाराम. (२००५). अध्ययनार्थीचे मानसशास्त्र आणि अध्यापन प्रक्रिया, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.
- साने, ह.श्री. (१९९५), सामाजिक शास्त्रे आणि साहित्यः अंतःसंबंध, प्रतिमा प्रकाशन, पुणे
- सोहणी, शं.कृ. (१९९३). शैक्षणिक टीपाकोश, पुणे.
- सप्रे, नीलिमा व पाटील, प्रीती. (२००५). अध्यापनाची प्रतिमाने, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर
- सोहनी, चित्रा. (२००६) अध्यापनाची प्रतिमाने, नित्यनूतन प्रकाशन, पुणे.
- सरपोतदार, पी.ए. ,भोसले, ए.क्ही. व सांगले, के.एन. (२००२). आशययुक्त अध्यापन पद्धती, फडके प्रकाशन, कोल्हापूर.
- मासिके**
- भारतीय शिक्षण, भारतीय शिक्षण मंडळ प्रकाशन, पुणे.

इंग्रजी

- Buch, M.B.(Ed.) (1987). Third Survey of Research in Education
NCERT, Delhi.
- Buch, M.B.(Ed.) (1991). Fourth Survey of Research in Education
Vol II NCERT, Delhi.
- Buch, M.B.(Ed.). (1979) Second Survey of Research in Education
: Society for Educational Research and Development. Baroda.
- Best, John W. and James, V. Kahn (1989). Research in Education
Prentice Hall of India, New Delhi.
- Carroll, J.B. (1963). In Dunkin, M. J. (Ed.). The International Encyclopedia of Teaching and Teacher Education.
Pergamm Press New York.
- Cazden, (1972). Edwards and Frlog (1978). in Wittrock, M.C.(Ed.)
Handbook of Research on Teaching. IIIrd Edn. Macmillan
Publishing Company. New York.
- Chatterjee, L. (1973) In Buch, M. B. (Ed.) Fourth Survey of Research in Education. NCERT. Delhi.
- Chaturvedi, (1972) : In Buch, M. B. (Ed.) Second Survey of Research in Education : Society for Educational Research and Development. Baroda
- Chaudhari (1974) In Buch, M. B. (Ed.) Second Survey of Research in Education Baroda : Society for Educational Research and Development.

- Combus. (1981) In Dunkin, M. J. (Ed.) The International Encyclopedia of Teaching and Teacher Education. Pergamm Press, New York.
- Cziko (1978) In Wittrock, M.C.(Ed.). Handbook of Research on Teaching. IIIrd Edn. Macmillan Publishing Company, New York.
- Dahama, O. P. and Bhatnagar, O. P. (1982) Education and Communication for development, Mohan Primlani, Oxford and JBH Publishing Co. New Delhi.
- Dehllof (1971). In Dunkin, M. J. (Ed.) The International Encyclopedia of Teaching and Teacher Education. Pergamm Press New York .
- Fairhurst (1981): In Anderson, L.W. (Ed;) The International Encyclopedia of Teaching and Teacher Educational Cambridge University Press Cambridge.
- Hiller, et.al (1968) In Dunkin, M. J. (Ed.) The International Encyclopedia of Teaching and Teacher Education. Pergamm Press New York .
- Jacson (1968) Zahorik (1982) In Dunkin, M. J. (Ed.) The International Encyclopedia of Teaching and Teacher Educational . Pergamm Press ,New York .
- Kothari, C. R. (1985) Research Methodology methods and Techniquus. Wiley Eastern Limited, New Delhi.
- Kothari, C. R. (1990) Research Methodology methods, WISHWA PRAKASHAN.
- Kumar, K. L. (1996) Educational Technology, New Age International Publishers Daryagani, New Delhi.

Macdonald (1991)) In Anderson, L.W. (Ed.) The International Encyclopedia of Teaching and Teacher Education. Cambridge

University Press ,Cambridge.

Mc Caled and White. (1980)) In Dunkin, M. J. (Ed.) The International Encyclopedia of Teaching and Teacher Education . Pergamm Press, New York.

Oad, L. K. (१९८०) In Buch, M. B. (Ed.) Third Survey of Research in Education. NCERT, Delhi.

Parmane, S. S. (2000) A study of Psychological Barriers encountered by Adolescents during the classroom communication of Algebra in relation to their achievement in the subject. Unpublished doctoral dissertation Shivaji University, Kolhapur.

Yeole, C. M. (1996). Education Technology, Rajhansa Publishing, Kolhapur.

DICTONARY :

Agarwal, J. C. and Biswas, A. (1971). Encyclopedic Dictionary and Directory of Education. The academic New Delhi ,Publisher.

Subramanian, S. and Vijaya, S. (१९९६). Technical Glossary SBIOA Channai.

परिश्राम

परिशिष्ट 'अ'

बी.ए.बी.एड द्वितीय वर्षाचे प्रशिक्षणार्थी

सन २००५-०६

विषय - मराठी

| अ.क्र. | प्रायोगिक गट | अ.क्र. | नियंत्रीत गट |
|--------|--------------------------|--------|------------------------|
| १ | पाटील भिकाजी शंकर | १ | लोखंडे जयराम नारायण |
| २ | कांबळे नेताजी विठ्ठल | २ | शिंदे समाधान भारत |
| ३ | येजरे उत्तम रामचंद्र | ३ | लोखंडे प्रशांत महादेव |
| ४ | पाटील सुरेखा भिकाजी | ४ | कांबळे अर्चना नारायण |
| ५ | देसाई वर्षा नामदेव | ५ | लोखंडे ज्योती कुंडलीक |
| ६ | परुळेकर भूमिका भिकाजी | ६ | माळी धनेश नागनाथ |
| ७ | टोणे रामदास भिमराव | ७ | फुटाणे सावधान धोँडोराम |
| ८ | पोवार वंदना वसंत | ८ | गोरे अरुणा पांडूरंग |
| ९ | निंबाळकर माधवी भिकाजीराव | ९ | कांबळे प्रविण प्रकाश |
| १० | मगदूम बाळकुण्ठा रामा | १० | मदने योगेश धोँडोराम |
| ११ | भोये चंद्रकांत मुरलीधर | ११ | जाधवर सनी निवृत्ती |
| १२ | चव्हाण सचिन राजाराम | १२ | सुतार गीता बाळासाहेब |

परिशिष्ट 'आ'

शाव्यची यादी

- १) सौ.वत्सलाताई पाटील गल्स हायस्कूल व ज्युनिअर कॉलेज, गारगोटी
- २) श्री.मौनी महाराज (बनारस) हायस्कूल, गारगोटी, ता.भुदरगड, जि.कोल्हापूर
- ३) गारगोटी हायस्कूल गारगोटी, ता.भुदरगड, जि.कोल्हापूर
- ४) शाहू कुमार भवन, गारगोटी, ता.भुदरगड, जि.कोल्हापूर

परिशिष्ट 'इ'

आशयघटक निश्चती

इयता ८ वी मराठी पात्र्यपुस्तकातील आशयघटकांची निश्चती

| क्रमांक | पाठाचे नाव | आशय | घटक |
|---------|-------------------------------|--|-------|
| १ | भारत माझा देश आहे. | देशप्रेम, राष्ट्रीय ऐक्य सार्वजनिक स्वच्छता | विचार |
| २ | वीर बापू गायधनी | गायधनीबद्दल आदर | भावना |
| ३ | फुलपाखरे | निसर्ग व माणूस यांचे नाते, आशावाद | विचार |
| ४ | गोकुळची साक्ष | स्वभावदर्शन | भावना |
| ५ | उद्योगमहर्षी वालचंद हिराचंद्र | उद्योगी वृत्ती, औद्योगिक विकास | विचार |
| ६ | जेव्हा घंटा वाजते | घंटेशी संबंधित भावबंध | भावना |
| ७ | माझे माहेर वाघदरा | रानावनातील सर्व माणसांबाबत चुकीच्या कल्पना हुंडा | विचार |
| ८ | जडणघडण | श्रम | विचार |
| ९ | विरंगुळा | आवडता छंद, जीवनाकडे पाहण्याचा दृष्टीकोन | विचार |
| १० | नवा पैलू | मूक-बधिरांसाठी शाळा | विचार |
| ११ | जिवलग मित्र-वृक्ष | वृक्ष जिवलग मित्र कसे? | भावना |
| १२ | मातोश्री | संस्कार | विचार |
| १३ | कसरत | दया, करुणा | भावना |
| १४ | वीर वामनराव जोशी | त्याग | भावना |
| १५ | पाढ्यावरचा चहा | आदिवासीबद्दल कळकळ | विचार |
| १६ | सैनिकी रक्त | सैनिकाबद्दल आदर | भावना |
| १७ | वाचन | वाचन बुद्धीला शक्ती देणारे औषध | विचार |

| | | | |
|---------|----------------------|--|-------------------------|
| १८ | गारपीट | निसर्ग व मानव नाते | भावना |
| १९ | आकाशकन्या | कल्पना चावला | |
| २० | विचारधन | १) विद्यार्थी आणि पंचतत्त्व २) यंत्र आणि माणूस ३) अहिंसा | विचार विचार विचार |
| क्रमांक | पाठाचे नाव | आशय | घटक |
| १ | सर्वात्मका शिवसुंदरा | परमेश्वराकडे मागणे | भावना |
| २ | या हो सूर्य नारायणा | सूर्य देवाला आवाहन | कल्पना |
| ३ | पाणपोई | काव्याविषयी | कल्पना |
| ४ | आला आश्विन आश्विन | समता | विचार |
| ५ | मराठबाणा | माय मराठी गौरव | भावना |
| ६ | पाळीव पोपटास | पारतंत्र्य | कल्पना |
| ७ | माझी कन्या | प्रेम | भावना |
| ८ | महानतेचा मानदंड तू | गौरव | भावना |
| ९ | मी न माझा राहिलो | समाधान | विचार |
| १० | श्लोक | कसे वागावे, धनाचा वापर | विचार |
| ११ | पुन्हा एकदा | समाजसुधारणा नवे विचार | भावना |
| १२ | माणूस | यशासाठी | कल्पना |
| १३ | माझी जन्मभूमी | अभिमान | कल्पना |
| १४ | शिष्टांची लक्षणे | शिष्ट कसा असावा | विचार |
| १५ | प्रकाशमान व्हा | दुःखातून सुखाकडे | कल्पना |

परिशिष्ट ‘ई’
पाठ निरीक्षण तक्ता

पारंपारिक पद्धतीने पाठनियोजन करून घेण्यात येणाऱ्या पाठांसाठी शिवाजी विद्यापीठ कोल्हापूर ने केलेला १८ मुद्यांचा पाठ निरीक्षण तक्ता वापरण्यात आला. तसेच आशयघटक पाठ निरीक्षण तक्ताही वापरलेला आहे.

पाठ निरीक्षण तक्ता
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

| अ. क्र | घटक | श्रेणी गुण | अ | ब | क | ड | ई | अ.क्र | घटक | अ | ब | क | ड | ई |
|-----------|--------------------------------|---------------|---|---|---|---|---|-------|---|---|---|---|---|---|
| | | | ५ | ४ | ३ | २ | १ | | | ५ | ४ | ३ | २ | १ |
| १ | पाठ टाचण लेखन | | | | | | | १० | वर्ग व्यवस्थापन | | | | | |
| २ | संघटन | | | | | | | ११ | वैविध्यपूर्ण अनुभवांचा वापर | | | | | |
| ३ | प्रारंभीची कार्यवाही | | | | | | | १२ | समारोप कार्यवाही व स्वाध्याय | | | | | |
| ४ | हेतूकथन | | | | | | | १३ | मूल्यमापन साधनाचा आरोग्य | | | | | |
| ५ | स्पष्टीकरण, उदाहरण दाखले | | | | | | | १४ | मुल्यमापना- तील विद्यार्थी प्रतिसाद | | | | | |
| ६ | प्रश्न पद्धती | | | | | | | १५ | शिक्षक व्यक्तीमत्व | | | | | |
| ७ | प्रबलन | | | | | | | १६ | विषय ज्ञान प्रभुत्व | | | | | |
| ८ | फलक लेखन | | | | | | | १७ | नियोजनबद्ध कार्यवाही | | | | | |
| ९ | चेतक बदल | | | | | | | १८ | वर्ग वातावरण | | | | | |

परिशिष्ट ‘उ’

आशयघटकानुसार पाठ निरीक्षण तक्ता

कल्पना पाठ निरीक्षण तक्ता

| अ.नं. | निरीक्षण मुद्दे / घटक | श्रेणी गुण | अ | ब | क | ड | ई |
|-------|---------------------------|---------------|---|---|---|---|---|
| | | | ५ | ४ | ३ | २ | १ |
| १ | विविध प्रतिमांची निर्मिती | | | | | | |
| २ | प्रतिमेचे विश्लेषण | | | | | | |
| ३ | संयोजन | | | | | | |
| ४ | नवीन कल्पनेची निर्मिती | | | | | | |
| ५ | कल्पनेची साखळी/शुंखळा | | | | | | |
| ६ | शैक्षणिक साहित्य | | | | | | |
| ७ | संदर्भ साहित्य | | | | | | |

वरील तक्त्याचे अन्वयार्थ खालील प्रमाणे

| श्रेणी | गुण | अन्वयार्थ |
|--------|-----|-----------------|
| अ | ५ | उत्कृष्ट |
| ब | ४ | चांगला |
| क | ३ | समाधानकारक |
| ड | २ | असमाधानकारक |
| ई | १ | अति-असमाधानकारक |

प्रशिक्षणार्थ्याच्या अध्यापनानुसार त्यांना वरील प्रमाणे श्रेणी/गुण दिलेले आहेत.
यानुसार मार्गदर्शक त्यांचे मूल्यमापन केले आहे.

परिशिष्ट 'ऊ'

आशयघटकानुसार पाठ निरीक्षण तक्ता

भावना पाठ निरीक्षण तक्ता

| अ.नं. | निरीक्षण मुद्दे / घटक | श्रेणी गुण | अ | ब | क | ड | ई |
|-------|----------------------------------|---------------|---|---|---|---|---|
| | | | ५ | ४ | ३ | २ | १ |
| १ | परिस्थितीचे आकलन | | | | | | |
| २ | अर्थबोध | | | | | | |
| ३ | भावनादर्शी कृती | | | | | | |
| ४ | अनेक भावनांची निर्मिती | | | | | | |
| ५ | अभिनय | | | | | | |
| ६ | अरोह-अवरोह | | | | | | |
| ७ | विद्यार्थी वैयक्तिक क्षमता विकास | | | | | | |
| ८ | विद्यार्थी सामाजिक क्षमता विकास | | | | | | |
| ९ | शैक्षणिक साहित्य | | | | | | |
| १० | संदर्भ साहित्य | | | | | | |

वरील तक्त्याचे अन्वयार्थ खालील प्रमाणे

| श्रेणी | गुण | अन्वयार्थ |
|--------|-----|-----------------|
| अ | ५ | उत्कृष्ट |
| ब | ४ | चांगला |
| क | ३ | समाधानकारक |
| ड | २ | असमाधानकारक |
| ई | १ | अति-असमाधानकारक |

परिशिष्ट 'ए'

आशयघटकनुसार पाठ निरीक्षण तक्ता

विचार पाठ निरीक्षण तक्ता

| अ.नं. | निरीक्षण मुद्दे / घटक | श्रेणी गुण | अ | ब | क | ड | ई |
|-------|--|---------------|---|---|---|---|---|
| | | | ५ | ४ | ३ | २ | १ |
| १ | पूर्वानुभवावर आधारित गोष्टीचा विचार | | | | | | |
| २ | समस्या | | | | | | |
| ३ | समस्येचे विश्लेषण | | | | | | |
| ४ | संश्लेषण | | | | | | |
| ५ | निश्चित उपाय | | | | | | |
| ६ | शैक्षणिक साधन | | | | | | |
| ७ | संदर्भ साहित्य | | | | | | |

वरील तक्त्याचे अन्वयार्थ खालील प्रमाणे

| श्रेणी | गुण | अन्वयार्थ |
|--------|-----|-----------------|
| अ | ५ | उत्कृष्ट |
| ब | ४ | चांगला |
| क | ३ | समाधानकारक |
| ड | २ | असमाधानकारक |
| ई | १ | अति-असमाधानकारक |

परिशिष्ट ‘ऐ’

विषय शिक्षकांची यादी

विषय :- मराठी

इयत्ता आठवीच्या पाठ्यांशाचे आशयघटकानुसार केलेले विभाजन खालील विषय शिक्षकांकडून तपासून घेतले.

१) सौ.बहादुरे, आर.आर

गारगोटी हायस्कूल, गारगोटी, जि.कोल्हापूर.

२) श्री.चौगुले, एल.एस.

मौनी महाराज (बनारस) हायस्कूल, गारगोटी, जि.कोल्हापूर.

३) सौ.देवाळे डी.डी.

सौ.वत्सलाताई पाटील गर्ल्स हाय & ज्यु कॉलेज गारगोटी, जि.कोल्हापूर.

४) श्री.गळाणकर, आर.पी.

गारगोटी हायस्कूल गारगोटी, जि.कोल्हापूर .

५) कु.बोरवडेकर, एम.बी.

सौ.वत्सलाताई पाटील गर्ल्स हायस्कूल अॅण्ड ज्यु कॉलेज गारगोटी, जि.कोल्हापूर.

६) सौ.देसाई, के.एस.

श्री.शाहू कुमार भवन, गारगोटी, ता.भुदरगड, जि.कोल्हापूर.

परिशिष्ट 'ओ'

विषय तज्जांची यादी

इयत्ता ८ वी

विषय - मराठी

आशयघटकानुसार पाठनिरीक्षण तक्ते खालील विषय तज्जांकडून तपासून घेतले.

१) डॉ.विजय निंबाळकर

माजी प्राचार्य, डॉ.सदाशिवराव मंडलिक महाविद्यालय, मुरगुड, ता.कागल,
जि.कोल्हापूर

२) डॉ.राजन गवस

रीडर, मराठी विभाग, पुणे विद्यापीठ, पुणे

३) प्राचार्य डॉ.आर.डी.बेलेकर

आचार्य जावडेकर शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, गारगोटी, जि.कोल्हापूर

४) डॉ.वाय.डी.दीक्षित

अधिव्याख्याता, कर्मवीर हिरे महाविद्यालय, गारगोटी

५) प्रा.ए.बी.कांबळे

अधिव्याख्याता, कर्मवीर हिरे महाविद्यालय, गारगोटी, जि.कोल्हापूर

६) प्रा.डी.ए.पाटील

मराठी विभाग प्रभुख,

कर्मवीर हिरे महाविद्यालय, गारगोटी जि.कोल्हापूर

७) प्रा.बी.बी.सोळसे

अधिव्याख्याता,

डॉ.डी.वाय.पाटील प्रतिष्ठान संचलित शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय, गारगोटी ,
जि.कोल्हापूर

श्री मौनी विद्यापीठ, गारगोटी.

कर्मवीर हिरे कला, शास्त्र, वाणिज्य व शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय

हु. मुरलीधरनगर, गारगोटी. ता. भुदरगड, जि. कोल्हापुर. महाराष्ट्र-४१६२०९

(02324) 220076, 220699, 220305 (Voc.)

मंदार सतेज उर्फ बंटी डी. पाटील

(0) 2653289, 2653290



संचालक

श्री. आर. एन. कारखानीस श्री. एसी. डी. बी. एड.

(R) 220290 (M) 942258226

प्राचार्य

श्री. आर. एस. कांबळे एम.एस. डब्ल्यू.

(S) 220075

क. अध्यक्ष : कै. डॉ. की. टी. पाटील

संस्थापक संकल्पक : कै. पद्मभूषण डॉ. जे. पी. नाईक

क्र. क्रहिंग

दिनांक २९/१०/२०१८

दाखला.

दाखला हेठोले अलो की साँ॒ कविता सं॑पत्राव
मेरे ल्या या महाविद्याल्या मध्ये छिसणाऱ्याल
विषाणा कडे आधिकार्याला मृणन कान परात
आलेला साँ॒चा एम्फील (एचिल्फाल) २००४.०६
सं॑दोषना साठी "मराठी विषया" मध्ये आरम्भकरा
मुलाक पाठनियोजनाचा अधिकार प्रारंभणार्थीचा
वर्गीतर्गीत अष्टापनावर हेणाव पविणाम-एक
अष्ट्यास" या विषया कविता या महाविद्याल्या
कडे बीएवीए (एकात्मीक) २ वर्षांचा विषार्थीना
पाठनियोजना साठी मार्फिर्दी कृच पाठनिरिक्षण
केले आले.

मृणन सहरचा दाखला त्याचे
मागणी करन हेठोले अल झोळे.

कर्मवीर हिरे कला, शास्त्र, वाणिज्य व शिक्षणशास्त्र
महाविद्यालय, गारगोटी. जि. कोल्हापुर.



B+
Accredited by NAAC

SHIVAJI UNIVERSITY, KOLHAPUR-416 004, MAHARASHTRA

PHONE : EPABX-2690571 (10 lines), 2693643 (9 lines), 2693730 (9 lines) □ GRAM : UNISHIVAJI

□ FAX : 0091-231-2691533 & 0091-231-2692333

शिवाजी विद्यापीठ, कोलहापुर-४१६ ००४, महाराष्ट्र

दूरध्वनी : (ईमीएबीएलस) 2690571 (दहा लाईन्स), 2693643 (नऊ लाईन्स), 2693730 (नऊ लाईन्स)

□ तार : युनिशिवाजी □ फॅक्स : 0091-231-2691533 & 0091-231-2692333

Vice-Chancellor's Office Fax - 0091-231-2691533

Registrar's Office Fax - 0091-231-2692333

C. O. E. Office Fax & Phone No. - 0091-231-2693176

Ref. No.

संदर्भ क्र.

Department of Education
Date : ०९. १२. ०५

To,

Shri R. S. Kamble
Municipal
K. H. College, Gangotri

Dear Sir/Madam,

Shri/Smt. K. M. Gaikwad

is an M.Phil student of this Department for the Year 2005-2006.

He/She is required to collect data/information/prepare slides, as a part of the course. The material collected will be kept strictly confidential and used only for the purpose of study.

Kindly permit him/her to collect the data whereby he/she can complete the course successfully. Your co-operation is solicited.

Thanking you,

Yours faithfully,

Anupole
(Cma. M. YOLE)

Guide.
Head

Department of Education
Shivaji University, Kolhapur

श्री मौनी विद्यापीठ
कर्मवीर हिरे महाविद्यालय
हु. मुरलीधरनगर, गारणोटी, जि. कोल्हापूर.
शिक्षणशास्त्र विभाग

पाठ टाचण

बी. ए. बी. इं. भाग २ / भाग ३ / भाग ४

छात्राध्यापकाचे नाव :- _____ वर्गानुक्रमांक :- _____

शाळेचे नाव :- _____ इयत्ता व तुकडी :- _____

विषय :- _____ घटक :- **पद्धति** उपघटक :- **पाण्योई**

अध्यापन पद्धती पाठ क्रमांक _____ एकूण पाठ क्रमांक _____ दिनांक _____

तासिकेची वेळ :- _____ विशिष्ट अध्यापन पद्धती :- _____

मार्गदर्शकांचे नाव :- _____ मार्गदर्शकाची सही :- _____

संदर्भ साहित्य :- _____

अपेक्षित पूर्वज्ञान :- **पिंडाथर्थिना पाण्याचे स्त्रोत माहिन आहेत. त्याच्यप्रभागे भारतात गोणकोणाया धमाचे लोक राहणात हे देखील माहिन आहे. पिंडाथर्थिना कृषीविधी माहिनी आहे.**

सज्जता प्रवर्तन

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती |
|---|--|
| <p>शिक्षिका प्रसऱ्य मुद्रिणे पगानि प्रवेश कुरुण विद्यार्थ्यांचे आभिवादन करिण्यारतात खेळ व्यवस्था ठिक कुरुण फैलुक न्याय राहणात १ पूर्वशोणावर प्रश्न विचारतात.</p> <p>① पाण्याचे स्त्रोत गोणकोणाते आहेत. ② भारतात गोणकोणाया धमाचे लोक राहणाऱ्ये आहेत. भारतात वेगवेगळ्या धमाचे लोक राहणात, तरी देखील भारतात विविधतोता छाता आहे. त्याच्यप्रभागे हे जे पाण्याचे स्त्रोत अलेत ते देखील गोणकाती धर्मात ठीक नाहीत. आपण मानत नाहीत.</p> | <p>विद्यार्थी आभिवादन करतात.</p> <p>नदी, विहीर, तलाव, इहिंदू, मुस्लिम, जैन, श्रीरचन, इ.</p> <p>विद्यार्थी भवण करतात.</p> |

हेतुकथन :-

आप्र आपण पान नं. १३३ परील कुपी यशवेत यांच्या 'पाण्योई' कृपितो 'पाण्योई' ये वेगवेगळा पाहणार आलेत.

| पाठ्य वस्तु | उद्दिष्ट व स्पष्टीकरण | आधार प्रणाली |
|--|--|---------------------------|
| ७) कवी परिचय :- जन्म - १८७७, मृत्यु - १९८५ राजिकिरण गंडलानील प्रमुख कवि, पद्म भूषण ही पद्मो प्राप्त, 'पाणपोई' या कविता संश्लेषित वेजताली कविता. कविता संश्लेषित - यशोच्छव, यशोच्छव प्राप्त कविता वाचक ३) पाणपोईचा वाचक- कविची काव्यकृपी पाणपोई वास्तवाचित्र पाणपोई प्रभाण मर्वासाठी खुली आहे. तर ये थर्म, जात असा क्राणताच ब्रेदभाव वाही. हे गीवन ज गताना, जे दुःखी कर्त्ता शान्त लोक आहेत त्यांचे दुःख कमी करव्यासाठी ही पाणपोई आहे ३) पाणपोईचा उपयोग - मानवाले हे गीवन जगताला अनेक समस्याना तोड द्यावे लागावे यातुवच दृश्य निष्ठा त्याच्या पाठ्याला असे. हे कृपा णमी करव्यासाठी कृपी असावा काव्यकृपी पाणपोईचा आस्वाद ध्या असे म्हणतान. | ७) क्वान - विद्यार्थ्याना कवी परिचय क्वान रेष्यास मदत घरणे. १०१ विद्यार्थी कविचे नाव सांगतो. १०२ कविता क्रोणती पद्मो भिकागी हे सांगतो. १०३ 'पाणपोई' ही कविता क्रोणत्या कविता संश्लेषित वेजताली हे सांगतो. २) आकृत्ति - काव्यकृपी पाणपोई वी प्राहीनी देख्यास मदत घरणे. २०१) विद्यार्थी पाणपोईची वेशस्त्र स्पस्त घरतो. २०२) विद्यार्थी कविने पाणपोई ली क्रोणसाठी धाताली आहे हे स्पस्त घरता. ३) उपयोग क्रोशत्य - कठिण शब्दाचे अर्थ सांगण्यास मदत घरणे. ३०१) पाणपोई या शब्दाचा अर्थ सांगतो. ३०२) 'वायुविची' या शब्दाचा अर्थ सांगतो. ३०३) 'मातड' या शब्दाचा अर्थ सांगतो. ४) विद्यार्थ्यात काव्य वर्चनाची आवड निमूणि करणे. ४०१) विद्यार्थी काव्यपाचन घरतो. ५) अशिकृती - विद्यार्थ्यानी क्रान्तिना निमूणि करवपास मदत करणे. ५०१) विद्यार्थ्यानी एकत्रेची भावना निमूणि लाते. | पाणपोईची चिन्ह. पाणपोई |
| ४) जनविन शब्द - येथे पाणपोई स्वेदपिक्क वायुविची विचित्रानी मुक्तनी मातडी | | |

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती | मुल्यमापन |
|---|---|--|
| शिक्षक विषय प्रतिपादन क्रतातः | ज्ञानपूर्वि ऐक्तातः | प्रा-एका वाक्यान् ऊरे दया. |
| स्थानेन रुक्षिते प्रकृट वाचन क्रतातः | ज्ञानपूर्वि ऐक्तातः | १) रुक्षिते कोणाऱ्या प्रकृत्या पाणपौर्व घाताति आहे? |
| ऐनुप्रश्नन सोगुन गूढ वाचन क्रायल लक्षतातः | विद्यार्थी म्हकवाचन क्रतातः | २) पाणपौर्व रुक्षिता कोणाऱ्या उपित्तासंगतातु घाताति आहे? |
| ऐनुप्रश्नन - रुक्षिते आपव्या काव्यास पाणपौर्व असे का म्हटले आहे? | विद्यार्थी ऐनुप्रश्नाचे ऊर देतातः | ३) रुक्षिते वाटसूठ साठी काय घोष्यते आहे? |
| ऐनुप्रश्नन वाचयल गूढुन ऐनुप्रश्नाचे ऊर विचारतातः | मुद्दा लिहुन घेतात प ज्ञानपूर्वि ऐक्तातः | ४) रुक्षिता भुंडलाची स्थापना कुष्ठी ज्ञाति? |
| रुक्षि परिचय शा मुद्दा फुल्क पर लिहुन कवी परिचय स्पष्ट क्रतातः | पिल पात्तात व प्रश्नांची ऊरे देतातः | ५) रुक्षिता पद्धती प्राप ज्ञाति आहे? |
| पाणपौर्वची कौशिते हा मुद्दा फुल्कावर लिहुन स्पष्ट क्रतातः | अर्थ लिहुन घेतातः | प्रा. रिकाळ्या जागा झरा |
| विष दारकुन यासेवं द्या प्रश्न विचारतातः | मुद्दा लिहुन घेतात प ज्ञानपूर्वि ऐक्तातः | ६) संस्तीचा हा उक्ताण --- ऐवज्जिवाची. |
| पाणपौर्व या वाल्दाचा अर्थ सांगतातः | पारा | ७) ज्ञोषमी अंगी इछा अन् --- ये ठायीठाय |
| पाणपौर्वचा उपयोग हा मुद्दा फुल्कावर लिहुन स्पष्टक्रतातः | तुर्मुख | ८) मांत पांथा! घोषिता ही तुम्हिया साठी --- |
| कठिण वाल्दाचे अर्थ विचारतातः | ज्ञानपूर्वि ऐक्तातः | ९) --- ओवती आदेषुनी त्या पंचिताती. |
| वायु मातडी | | |
| सप्तरोप-अराप्तारे आज आपण काव्यकृती पाणपौर्वची कौशिते व उपयोग पाहिले, उदया आपण रुक्षिते | | |

| फलक लेखन | | | | | | | इथना-आव्ही तुकडी- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|-------|--------------------------------|----------|--------------|------|---------------------------------------|----------------------|-----------------|--------------|-------------|---|--|---|-------------------|---|---|---|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| विषय | मराठी | पद्ध | 'पाणपोई' | भविन | शब्द | १) पाणपोई | २) संस्थापी | ३) तुकडी | ४) स्वेदविडी | ५) वायुविची | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| <u>ऐप्रेशन - कविने आपल्या गायत्रीस</u> | | <u>उपधटक</u> | | <u>मराठी</u> | | <u>पद्ध</u> | | <u>'पाणपोई'</u> | | <u>भविन</u> | | <u>शब्द</u> | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ऐप्रेशन - कविने आपल्या गायत्रीस पाणपोई असे का म्हणते आहे? | | उपधटक | | मराठी | | पद्ध | | 'पाणपोई' | | भविन | | शब्द | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| १) उषी परिचय २) पाणपोईची काशिस्टे ३) पाणपोईचा उपयोग | | उपधटक | | मराठी | | पद्ध | | 'पाणपोई' | | भविन | | शब्द | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| उचाईयाची - कावितेचे लाभना करा. | | उचाईयाची - कावितेचे लाभना करा. | | तांबना करा. | | तांबना करा. | | तांबना करा. | | तांबना करा. | | तांबना करा. | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| उल्लेखनीय मुद्दे | | | | | | | कमजोर मुद्दे | | | | | | | सुधारणात्मक सूचना | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| घटक | अ | ब | क | ड | ई | घटक | अ | ब | क | ड | ई | घटक | अ | ब | क | ड | ई | | | | | | | | | | | | | |
| १) पाठ टाचण लेखन | | | | | | १०) वर्ग व्यवस्थापन | | | | | | ११) वैविध्यपूर्ण अध्ययन अनुमवांचा वापर | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| २) संघटना | | | | | | १२) समारोप, कार्यवाही व स्वाध्याय | | | | | | १३) मूल्यमापन साधनांचा उपयोग | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ३) प्रारंभाची कार्यवाही | | | | | | १४) मूल्यमापनातील विद्यार्थी प्रतिसाद | | | | | | १५) शिक्षक व्यक्तिमत्त्व | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ४) हेतुकथन | | | | | | १६) विषय ज्ञान प्रभुत्व | | | | | | १७) नियोजनबद्ध कार्यवाही | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ५) स्पष्टीकरण उदा. दाखले | | | | | | १८) वर्ग वातावरण | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ६) प्रश्न पद्धती | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ७) प्रबलन | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ८) फलक लेखन | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ९) चेतक बदल | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

दिनांक :-

(सर्व हक्क स्वाधीन)

निरीक्षकांची सही

नांव :-

श्री मौनी विद्यापीठ
कर्मवीर हिरे महाविद्यालय
हु. मुरलीधरनगर, गारगोटी, जि. कोल्हापूर.
शिक्षणशास्त्र विभाग

पाठ टाचण

बी. ए. बी. एड. भाग २ / ~~भाग ३~~ / ~~भाग ४~~

छात्राध्यापकाचे नांव :- _____ वर्गानुक्रमांक :- _____

शाळेचे नांव :- _____ इयत्ता व तुकडी :- _____

विषय :- **मराठी** घटक :- **गाय** उपघटक :- **विर बापू गायथ्री**

अध्यापन पद्धती पाठ क्रमांक _____ एकूण पाठ क्रमांक _____ दिनांक _____

तासिकेची वेळ :- _____ विशिष्ट अध्यापन पद्धती :- _____

मार्गदर्शकांचे नांव :- _____ मार्गदर्शकाची सही :- _____

संदर्भ साहित्य :- _____

अपेक्षित पूर्वज्ञान :- **विद्यार्थ्यांनी आगीमुळे होणाऱ्या नुकसानीविषयी माहिती आहे.**

सज्जता प्रवर्तन

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती |
|---|--|
| <p>शिक्षक प्रगति उसतभूखाने प्रवेश करतान. विद्यार्थ्यांचे आश्रियादन स्वीकारान प्रशिक्षणावर आद्यारिन प्र११ विचारतान.</p> <p>१) तुम्हाला माहित असेल्या नैसारिणी आपलीची नावे सोंगा ?</p> <p>२) जरां नैसारिणी काढी संकुटे येतान तशीच काढी मानव निभिन्न सुद्धा संकुटे येतान तर ती संकुटे कोणती?</p> | <p>विद्यार्थी आश्रियादव करतान.</p> <p>महापूर, भुंप, ज्यालभूखवी दुच्छाक इत्यादी.</p> <p>जाठपोल, देगल, बोंबसफोट इत्यादी.</p> |

हेतुकथन :-

मुलांनो आज आपण 'विर बापू गायथ्री' या पाठाचे
पेणकेपण अश्यासणार आहोम.

१) नाथकाचा परिचय -
विर बापू गायब्यनी
सारक संगतीचे हा उत्तरा
प्रकाशित केला.
साहसी वृन्दी

२) एक काळे रात -
कोही पश्चिमी नाशिक
राहिला घडलेला हा सत्य
प्रसंग.
आगरी सपांगा सीमित करतो
पिस्तार काम करणारे सर्व
जीव सोषण.

एकदम पांटाचा आवाज

३) इमारतीला आग -
घंटीच्या आवाजाने रात्रीची
शांतता दुर्भगली.
जोऱ रुडवडुन गेले.
आही जोऱ घरानुन काढू,
अडकलेले ग्रीष्म आकांत
कुरत होते.

४) मुजांची घडपड -
मुले मदलीसाठी ओरु अलेखा.
रस्यावर भोठी भरी होती.
अम्बीशामु दल आग
पिक्किपिक्काचा प्रयत्न करते.

५) नवीन शब्द -

१) तसीतीन
२) दुर्भेगणे ३) आकांत.

६) वाक्प्रयार -

१) कानरात ठवणे २) असीप
मुठीस धरणे.

१) रात - विद्याश्वनी नाथकाचा
परिचय कृत्तव देण्यास मदत करणे.
स्पष्टीकरण - १) विद्याश्वी नाथकाचा
नाव सोंगतो २) विद्याश्वी हा उत्तरा
क्षेत्राचा पुस्तकानुन घेतला ते सोंगतो.
३) विद्याश्वी त्यांची वृन्दी कुशी
होती ते सोंगतो.

२) आकृत्ति - काकरातीची भालीमी
विद्याश्वीस समजानुन देण्यास, मदत
स्पष्टीकरण - १) विद्याश्वी नाथकाचा
शत्रुतातील प्रसंग योज्यात सोंगतो.
३) उपयोगन -

प्राप्त शानाचा उपयोग
उरव्यास मदत करणे.
स्पष्टीकरण - १) विद्याश्वी नवीन
शवदाचा अर्थ सोंगतो २) विद्याश्वी
पाकप्रसाचा अर्थ सोंगतु वाक्यात
उपयोग करतो.

४) आभिकर्त्ता - विद्याश्वीच्यात या
घट्टाविषयी आपड निमित्त ठेण्यास
मदत करणे.

स्पष्टीकरण - १) विद्याश्वी किंवा बापू
विषयीची भालीमी आपडी अडकते.
मुजाविषयी विद्याश्वी सहनुभती
दरववितो.

५) आभिवृती - पाठाविषयी वृन्दी
निमित्त उरव्यास मदत करणे.
स्पष्टीकरण - १) विद्याश्वी साहसी
क्षेत्राचा संभव करतो.

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती | मुल्यप्राप्ति |
|--|---|---|
| <p>विषय प्रतिपादन-</p> <p>शिक्षक प्रकृत्वाचन कुरतान १ मुलेना मुक्त्वाचन कुरायल सोगुन हेत्वाचन फुल्कावर चिह्नितान.</p> <p>शिक्षक विषयाच्चनि नाशिक शह्वान वडलेख्या सत्य घटनेच्ये वर्णन गुरुन सांगतान.</p> <p>दुमजली घराल आग लगली हेती आणि घरानील घूल मदतीभाठी आर हक्क गरी मारत हेती हे रिकाळु विषयाच्चनि संप्रगाक्तुन सांगतान. नविन शिष्य लिह्नवेत्ताच्चाल सर्व बाजुनी आग लगली हेती. रस्यावर लोकांची दाटी भाली हेती. आणि शामक दलाची भाऊ आग विक्षविष्याच्चा प्रयत्न गुरुग्नी हेती हे शिक्षक मुलेना सांगतान.</p> <p>मुले रुड्कीच्या कुडेल येतान १ आई.आई. अर्सी आर हक्क मारतान १ लोकांची मने गुरवती आपल्या सारखी हेत हेती हे शिक्षक संप्रगाक्तुन सांगतान.</p> <p>समाचोप-</p> <p>तर मुलेनो आग, आपग. वीर बापु गायच्यानी, याच्या घाउसी वृक्षाविषयी गारिमी अज्ञासाळी आहे.</p> | <p>विद्यार्थी अवण कुरतान</p> <p>विद्यार्थी विश्लेषण कुरतान.</p> <p>विद्यार्थी अवण कुरतान.</p> <p>विद्यार्थी अवण कुरतान.</p> <p>विद्यार्थी अवण कुरतान.</p> <p>विद्यार्थी अवण कुरतान.</p> | <p>१) पाठाच्या नायकाने नाव काय लेले?</p> <p>२) नाशिक शह्वानाल प्रसंग योजक्यान सांगाऱे?</p> <p>३) गीव मुठीमध्ये या शब्दाचा अर्थ सोगुन वाक्यान उपयोग करा.</p> <p>४) हा पाठ कोणत्या पुस्तकालून घेताला आहे?</p> |

| | |
|--|--|
| <p><u>हेतुप्रश्न</u> ती (क) काळरात्र ठरणी लेखने फलक लेखन असे लेखनाने शा सुले आले?</p> <p>गवीन शब्द -</p> <p>१) सिमिन २) दुश्चेगणे ३) आकांक्षा</p> <p>स्वाध्याय - तुम्ही पाहिलेस्था अप्यात्मा १५ १५ ओणी निबोध्य लिहा.</p> | <p>फलक लेखन घटक - गद्य उपषट्क निर वापू गावळी इयता (वी) विष्णु - मराठी</p> <p><u>पाठप्रचार</u></p> <p>१) काळरात्र ठरणे. २) गीष मुठिम द्यशेण. ३) द्यथ कुरुतीवे काप्तन.</p> |
|--|--|

| उल्लेखनीय मुद्दे | कमजोर मुद्दे | सुधारणात्मक सूचना |
|------------------|--------------|-------------------|
| | | |

| घटक | अ | ब | क | ड | ई | घटक | अ | ब | क | ड | ई |
|-------------------------|---|---|---|---|---|---------------------------------------|---|---|---|---|---|
| १) पाठ टाचण लेखन | | | | | | १०) वर्ग व्यवस्थापन | | | | | |
| २) संघटना | | | | | | ११) वैविध्यपूर्ण अध्ययन अनुभवाचा वापर | | | | | |
| ३) प्रारंभाची कार्यवाही | | | | | | १२) समारोप, कार्यदाही व स्वाध्याय | | | | | |
| ४) हेतुकथन | | | | | | १३) मूल्यमापन साधनाचा उपयोग | | | | | |
| ५) स्पष्टीकरण उदा. | | | | | | १४) मूल्यमापनातील विद्यार्थी प्रतिसाद | | | | | |
| दाखले | | | | | | १५) शिक्षक व्यक्तिमत्त्व | | | | | |
| ६) प्रश्न पद्धती | | | | | | १६) विषय ज्ञान प्रभुत्व | | | | | |
| ७) प्रबलन | | | | | | १७) नियोजनबद्ध कार्यवाही | | | | | |
| ८) फलक लेखन | | | | | | १८) वर्ग वातावरण | | | | | |
| ९) चेतक बदल | | | | | | | | | | | |

दिनांक :-

(सर्व हक्क स्वाधीन)

निरीक्षकांची सही

नांव :-

श्री मौनी विद्यापीठ
कर्मवीर हिरे महाविद्यालय
 ह. मुरलीधरनगर, गारगोटी, जि. कोल्हापूर.
शिक्षणशास्त्र विभाग
पाठ टाचण

दी. ए. दी. इ. भाग २ / अम ३ / भाग ४

छात्राध्यापकाचे नांव :- _____ वर्गानुक्रमांक :- _____

शाळेचे नांव :- _____ इयता व तुकडी :- _____

विषय :- _____ घटक :- **गद्य** उपघटक :- **भारत माझा देश ओरे.**

अध्यापन पद्धती पाठ क्रमांक _____ रकूष पाठ क्रमांक _____ दिनांक _____

तासिकेची वेळ :- _____ विशिष्ट अध्यापन पद्धती :- _____

मार्गदर्शकाचे नांव :- _____ नांगदर्शकाची संही :- _____

संदर्भ साहित्य :-

अपेक्षित पूर्वज्ञान :- **मुळेना भारत माझा देवा आहे या प्रतिशेविष्यी प्राणीमि आहे.**

सज्जता प्रवर्तन

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती |
|---|---|
| <p>शिक्षक पगानि हस्तभुरुणे प्रवेश करतात, विद्यार्थ्यांचे आश्रिवादन स्वीकृत्या पूर्वशानवर आध्यारित प्रश्न विचारतात.</p> <p>१) आपण कोणत्या देशात राहणो.</p> <p>२) तुम्ही शाकीता आव्यावर कोणती प्रतिशा घ्ऱावा?</p> <p>अगदी बोकर!</p> | <p>विद्यार्थी आश्रिवादन करतात</p> <p>विद्यार्थी उत्तरे देतात.</p> <p>भारत</p> <p>भारत माझा देश आहे.</p> |

हेतुकथन :- **मुळेनो आज आपण यदुआय थते यांच्या भारत माझा देवा आहे' या पाठातील वेगवेग पान कृ - ३ वरील पहिल्या पाठातुन अज्यासणार आहोग.**

- १) लेखक परिचय -
 - यशवनाथ थत्ते
 - जन्म - १९२२
 - साध्यना सापांगुचे
 मारी संपादक.
- २) राकेशी प्राथना -
 - लेखकाने प्राथना
 एकव्यापर याचे मन
 सुखावले.
 - भारत 'आपला' देश आहे
 असे न हुणता मासा का
 वर्ष हुटले असेही असा
 प्रश्न विचारनारा.
- ३) लेण्ठीची मानसिकता -
 - आपल्या लेण्ठीची
 मानसिकता इसात घेऊन प
 यांनी 'आपला' राबू पापर -
 घोरेवजी 'मासा' ही शब्द
 पापरला असणार.
 - 'पस्तु मासी' असू वाटणे
 तेव्हा आपण निची जिनकी
 गळजी घेऊ निमित्ती आपला
 हरव्यापर घेऊच असे नाही.
- ४) नवीन शब्द
 १) प्राथना
 २) प्रतिशा
 ५) वाक्प्रचार
 १) विचारात पडणे
 २) गळजी घेणे.
 ३) गुण्यना कुरणे.
- १) शान - लेशवाचा परिचय
 गुण देप्यास मदत करणे.
 स्पस्तीकरण -
 १) विधार्थी लेशवाचे नांव
 सोंगतो.
 २) विधार्थी लेशवाचा त्रन सोंगतो
 ३) पाठ्यपुस्तकानीठ प्रतिशेतीठ
 पहिले पाक्य घोणते असेही सोंगतो.
- ३) आकृत्य - राकेशी प्राथनेविध
 यी भासीती कुवळ देप्यास मदत करणे.
 स्पस्तीकरण -
 १) लेशवाची प्राथना
 एकव्यापर याचे मन तुसे सुखावले
 हे विधार्थी सोंगतो.
- ३) विधार्थी आपला १ मासा
 या शब्दानीठ कुरकु सोंगतो.
- ३) उपयोगन - प्राप्त रानाचा
 उपयोग कुरव्यास मदत करणे.
 स्पस्तीकरण -
 १) विधार्थी शब्द नेविष्यथी आदर
 आव दारविनो.
 ५) आशीकरणी या घटकाविष्यथी
 मुलेच्या मनान आवड विश्विता
 कुरव्यास मदत करणे.
- स्पस्तीकरण -
 १) विधार्थी वडावेशव्या प्राथना
 योगल्या स्वरात गाता.
 ३) विधार्थी विविध प्राथनीचा
 सेवणे करतो.
 ३) विधार्थी गायन स्पर्धीनि
 भांगे घेतो.

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती | मुल्यमापन |
|---|---|---|
| <p><u>विषय प्रतिपादन-</u></p> <p>शिक्षक पाठाचे स्पष्ट आवाजान प्रकृट पाचन कराना। प विद्यार्थ्यांना मुळ ताचन उरायला सांगतान, प उल्कावर हेतुप्रश्न ठिकानात.</p> <p>शिक्षक विद्यार्थ्यांना प्रायं विषयी माणिनी करून देतान, प प्रायं नीते करून तुरवावर आपले मने कसे सुरवावरे हे स्पष्ट करून सांगतान.</p> <p>शिक्षक विद्यार्थ्यांना 'मासा' प 'आपला' या दोघी शब्दांनी फुरक्क वेगवेधल्या उदारवाच्यां स्पष्ट करून सांगतान। प.</p> <p>शिक्षक विद्यार्थ्यांना आप- ल्या लोकांची मानसिकिना कशी आहे, यांच्याबरोबर आपला हा शब्द वापरण्याखेजी 'मासा' हा शब्द का वापरतान हे स्पष्ट करून सांगतान.</p> <p>शिक्षक विद्यार्थ्यांना 'कुल्यवा कुरणे' या शब्दाचा शब्द सांगतान प त्याचा वाक्यात उपयोग करावण सांगतान.</p> <p><u>समारोप-</u></p> <p>तर मुलेवो आज आपल 'आरन मासा देश आहे' या पाठाविषयी माणिनी अळ्यासाळी आहे.</p> | <p>विद्यार्थी अवण करतात.</p> <p>विद्यार्थी अवण करतान</p> <p>विद्यार्थी अवण करतान</p> <p>विद्यार्थी अवण करतान</p> <p>विद्यार्थी अवण करतान</p> <p>विद्यार्थी वाक्यात उपयोग करतान.</p> <p>विद्यार्थी अवण करतान</p> | <p>१) लेखकाचे वाप सांगा?</p> <p>२) पाठ्यपुस्तकानी प्रार्थनेते पाहिले वाक्य कोणते भाषे?</p> <p>३) मासा आणि आपल या शब्दांनी फुरक्क सांगा?</p> <p>४) लेखक भायला तुरवावरे लीगे?</p> |

| फलक लेखन | | उथना - (ब विषय-भरणी |
|--|---------------------------------------|-------------------------|
| घटक | गद्य | |
| उपघटक | आरत भासा देश आहे. | |
| ऐम्प्रश्न | वाक्प्रचार | |
| वाक्यां आपला तेवजी भासा शब्दावृ का वापरला असेही | 1) लुच्चां गुरुणे 2) विचारज्ञ पुणे | |
| नवीन शब्द, १) प्रार्थना २) प्रतिक्रिया | | |
| स्वाध्याय - 'भारत भासा देश आहे' यावर पंचरा ओळी निवेद्य लिहा. | | |

| उल्लेखनीय मुद्दे | कमजोर मुद्दे | सुधारणात्मक सूचना |
|------------------|--------------|-------------------|
| | | |

| घटक | अ | ब | क | ड | ई | घटक | अ | ब | क | ड | ई |
|-----------------------------|---|---|---|---|---|---------------------------------------|---|---|---|---|---|
| १) पाठ टाचण लेखन | | | | | | १०) वर्ग व्यवस्थापन | | | | | |
| २) संघटना | | | | | | ११) वैविद्यमूळे झट्टेण अनुभवाचा वापर | | | | | |
| ३) प्रारंभाची कार्यवाही | | | | | | १२) समाजेप, कार्यवाही व स्वाध्याय | | | | | |
| ४) हेतुकथन | | | | | | १३) मूल्यमापन संधानाचा उपयोग | | | | | |
| ५) स्पष्टीकरण उदा. दाखले | | | | | | १४) मूल्यमापनातील विद्यार्थी प्रतिसाद | | | | | |
| ६) प्रश्न पद्धती | | | | | | १५) शिक्षक व्यक्तिमत्त्व | | | | | |
| ७) प्रबलन | | | | | | १६) विषय ज्ञान प्रभुत्व | | | | | |
| ८) फलक लेखन | | | | | | १७) नियोजनबद्ध कार्यवाही | | | | | |
| ९) चेतक बदल | | | | | | १८) वर्ग वातावरण | | | | | |

दिनांक :-

(सर्व हक्क स्वाधीन)

निरीक्षकांची सही

नाव :-

*

श्री मोर्नी विद्यापीठ
कर्मवीर हिरे महाविद्यालय
 ह. सुरलीधरनगर, गारणोटी, जि. कोल्हापूर.
शिक्षणशास्त्र विभाग
पाठ टाचण
 बी. ए. बी. इड. भाग २ / भाग ३ / भाग ४

छात्राध्यापकाचे नांव :- _____ वर्गनुक्रमांक :- _____
 शाळचे नांव :- _____ इयता व तुकडी :- इयता - आठवी
 विषय :- _____ घटक :- पद्य उपघटक :- पाणपोई
 अध्यापन पद्धती पाठ क्रमांक _____ एकूण पाठ क्रमांक _____ दिनांक आणव्य वाटक क्रृत्यना
 तासिकेची वेळ :- _____ विशिष्ट अध्यापन पद्धती :- _____
 मार्गदर्शकांचे नांव :- _____ मार्गदर्शकाची सही :- _____

संदर्भ साहित्य :- आष्टुनिष्ठ मराठी वाडमयाचा इनीहस, मराठी शास्त्रद्वारा पाणपोई
 अपेक्षित पूर्वज्ञान :- विद्यार्थ्यांना पाणपोईविषयी सर्वसाधारण भाषीनी आहे.

सञ्चिता प्रवर्तन

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती |
|---|--|
| <p>शिक्षक वगळी प्रवेश करतान व आभिवादन स्वीकारतान, पूर्वानास अनुसरून काही प्रश्न विचारतान.</p> <p>प्रश्न- १) तुम्ही पाणपोई पाहिली आहे २) पाणपोई ठेपणाऱ्या व्यक्तीच्या काणता ठेवा असतो. ३)</p> <p>वाटसंकंपी महान भागावी शा उदान हेतुने रस्त्याच्या फिला पाणपोई घातानेली असते</p> | <p>विद्यार्थी आभिवादन करतान.</p> <p>विद्यार्थी उन्हरे देतान.</p> <p>विद्यार्थी उन्हरे देतान.</p> |

हेतुकथन :-

आज आपण पान नंबर ७३४ वरीत कवी यशवंत पेंडऱ्यांनी कृत्यना कुलेशी 'पाणपोई' ही कविता पाहू.

अथवी पारचिय-

जन्म- १८११ मृत्यु- १८५४
यशोधन, यशोगंध, यशोनिधि
इयादी गविना संभ्रह. शपि.

शिरण भंडातील गवी.

३) पाणपोद्विंशी वेशीसे-

(प्राप्तिमा- पाणपाई)

साहियकपी पाणपाई,

सर्वनिष्ठी रुक्मी, अद्भाव

नाही. समाजातील कल्पी,

दुर्शवी जेकां साठी.

४) काव्यकपी पाणपोई

(काव्यपाल- काव्य पाणपाई)

दुर्शवी, कल्पी, समस्याङ्कला
जेण्ठासाठी हे काव्य आहे.

५) पाणपोईतील नवाई

(प्राप्तिमा- सिद्धुगंगा,

कावडी, मृत्तिकेवं बुंभ.)

अगोदृश्या छवीच्या का-

यातील शब्द वेळेन स्फुरी

घेऊन काव्य वेळे.

६) कविची कृमाई

काव्य सुवर्णा वाचव्या

साठी रुक्मी आहे. ते

वाचवे, तृष्ण काव्य खात्या

गवी खतळी घव्य समग्रा.

नवीन शब्द-

तत्त्ववली

संस्कृती

मृक्षना.

१) राजे- विद्यार्थ्यना पाठातील कृष्णना
मासिं कल्प वेष्यास मदत करणे.

स्पस्टीकरण-

१) विद्यार्थी पाठाती

२) प्रतिमा वांगतो

३) विद्यार्थी पाठातील कृष्णना सांगतो.

४) विद्यार्थी नवीन शब्दाचे अर्थ

सांगतो.

५) आकृत्ति-

विद्यार्थ्याला पाठातील कृष्ण - पाणपोईचे चित्र.

वेळे विश्वेषण गरव्यासाठी मदत

करणे. स्पस्टीकरण-

१) विद्यार्थी पाणपोई

२) प्रतिमेचे विश्वेषण करतो.

३) विद्यार्थी काव्यकपी पाणपाई

या कृष्णनेचे नंयोजन करतो.

४) विद्यार्थी काव्यकपी पाणपोई

वेशीसे स्पस्ट करतो.

५) कौशल्य-

विद्यार्थ्याला नवीन कृष्णप्रतीकी

निर्माणी करणे.

स्पस्टीकरण-

१) विद्यार्थी काव्यकपी

नवीने पित्र काटाना.

२) आशिकपी-

विद्यार्थ्यातील आप्य कृष्णना

निर्माणीची आवड निर्माण करणे.

स्पस्टीकरण-

१) विद्यार्थी काव्यकपी

संस्कृताची कृष्णना करून, काव्यकपी

वेळेची कृष्णना करतो.

२) आशिकपी- विद्यार्थ्यातील काव्यकपी

काव्यसंग्रह

(६)

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती | मुल्यापन |
|--|---|--|
| <p>रिक्त आरोह अपरोधसह कविनेचे प्रकट वाचन करतांग. विधार्थीना मूकवाचन कर्त्तव्याग सोगुन हेतुप्रश्न फल्ला पर किहीतांग.</p> <p>प्रश्न- १) कविनेमि प्रकृत्व कृत्वना कोणती आहे? विधार्थी छडून हेतुप्रश्नाचे उत्तर आवृत्तीरतांग. पाणपोईचा वेशिटे या मुद्यासित पाणपोई या प्रकृत्वने विशेषण करतांग. विधार्थीना नवीन शब्दाचे अर्थ सोगतांग. काळ्यकपी पाणपोई या कृत्वनेचे विशेषण करतांग.</p> <p>रिक्त कविचि पाणपोईचा कृत्वनेचे संशोजन करतांग. विधार्थीना नवीन कृत्वना निर्भितीकाढी प्रोत्साहन देतांग, उदारव रांगतांग, चित्र दारवितांग.</p> <p>रिक्त कविचि रमाईचा मुद्याचे स्पष्टीकरण करतांग समारोप</p> <p>अशाप्रकारे आज आपण कवी यशवेन पेढरफुर यांच्या कविनेमि काळ्यकपी पाणपोई या कृत्वनेतीत अनेक प्रतिभा पाठिल्या यातुन योना काळ्यी पी पाणपोई ही कृत्वना यांग तथार केली आणता पाठिले.</p> | <p>विधार्थी भवण करतांग.</p> <p>विधार्थी मूकवाचन करतांग.</p> <p>विधार्थी उत्तर देतांग.</p> <p>विधार्थी भवण करतांग.</p> <p>विधार्थी भवण करतांग.</p> <p>विधार्थी तिळून घेतांग.</p> <p>विधार्थी उत्तर देतांग.</p> <p>विधार्थी चिभाचे विशेषण करतांग.</p> <p>विधार्थी भवण करतांग.</p> <p>विधार्थी भवण करतांग.</p> | <p>प्रश्न. १) १) या पाठातीति प्रकृत्व कृत्वना कोणती आहे?</p> <p>२) काळ्यकपी पाणपोई या वेशिटे सोब</p> <p>३) संस्कृति या शब्दाचा अर्थ कीजा</p> <p>४) तुलाल सुन्यार्थी एवढादी कृत्वना सोबो.</p> |

| | |
|--|--|
| <p>फलक लेखन</p> <p>घटक - पदथ उपघटक पाणपोर्या</p> <p>ऐप्रेस- १) था कवितेति प्रमुख कृष्णा शेगती आहे९ गवीन शाठ- सेस्तुती त्वेदेषिद्वा अमुद्धारा</p> | <p>इयता-आठवी दिनांक-</p> <p>तत्पूर्ण मुक्ति भाजितेचे तुम स्वाध्याय पाणपोर्या कविता सेगतीचा कवितेचे वाचन करा.</p> |
|--|--|

| उल्लेखनीय मुद्दे | कमजोर मुद्दे | सुधारणात्मक सूचना |
|------------------|--------------|-------------------|
| | | |

| घटक | अ | ब | क | ड | ई | घटक | अ | ब | क | ड | ई |
|-----------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १) पाठ टाचण लेखन | | | | | | १०) वर्ग व्यवस्थापन | | | | | |
| २) संघटना | | | | | | ११) वैविध्यपूर्ण अध्ययन अनुपर्वाचा वापर | | | | | |
| ३) प्रारंभाची कार्यवाही | | | | | | १२) समारोप, कार्यवाही व स्वाध्याय | | | | | |
| ४) हेतुकथन | | | | | | १३) नूत्यमापन साधनाचा उपयोग | | | | | |
| ५) स्पष्टीकरण उदा. दाखले | | | | | | १४) नूत्यमापनातील विद्यार्थी प्रतिसाद | | | | | |
| ६) प्रश्न पद्धती | | | | | | १५) शिक्षक व्यक्तिमत्त्व | | | | | |
| ७) प्रबलन | | | | | | १६) विषय ज्ञान प्रभुत्व | | | | | |
| ८) फलक लेखन | | | | | | १७) नियोजनबद्ध कार्यवाही | | | | | |
| ९) चेतक बदल | | | | | | १८) वर्ग वातावरण | | | | | |

दिनांक :-

(सर्व हक्क स्वाधीन)

निरीक्षकांची सही

नाव :-

श्री मानो विद्यापीठ
कर्मवीर हिरे महाविद्यालय
हु. मुरलीधरनगर, गारगोटी, जि. कोल्हापूर.
शिक्षणशास्त्र विभाग
पाठ टाचणा

बी. ए. बी. इ. भाग २ / भाग ३ / भाग ४

छात्राध्यापकाचे नांव :- _____ वर्गनुकमांक :- _____

शाळेचे नांव :- _____ इयत्ता व तुकडी :- _____

विषय :- **मराठी** घटक :- **गद्य** उपघटक :- **हिरे बापू गायदग्दी**
अध्यापन पद्धती पाठ क्रमांक _____ एकूण पाठ क्रमांक _____ दिनांक **आषाढ वर्टु आवणा**
तासिकेची वेळ :- _____ विशिष्ट अध्यापन पद्धती :- _____

मार्गदर्शकांचे नांव :- _____ मार्गदर्शकाची सही :- _____

संदर्भ साहित्य :- _____

अपेक्षित पूर्वज्ञान :- **विद्यार्थ्यांना नैसार्गिक संकेत मार्हीनि आहेन. अभ्यासामुळे दृग्विषयांची मार्हीनि आहे.**

सज्जता प्रवर्तन

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती |
|---|---|
| <p>शिक्षक वगति हस्तामुखाने प्रवेश करतान. विद्यार्थ्यांचे अभिवादन स्वीकारून शिक्षानावर आद्यारित प्रश्न विचारतान. प्रश्न दारवितान.</p> <p>प्र १) हे चिन्ह कशाचे आहे?</p> <p>प्र २) सद्या महापुर कोठे आले आहे?</p> <p>महापुर ही एक नैसार्गिक आपली आहे त्याचप्रमाणे डुस्काळटाळमुखी शुक्रंप अशा आणखी काणी नैसार्गिक आपली आहेत.</p> | <p>विद्यार्थी अभिवादन करतान.</p> <p>महापुराचे शीरोळा</p> <p>विद्यार्थी शवण करतान.</p> |

हेतुकथन :-

मुळेनो आज आपण पीर बापू गायदग्दी या पाठाभ्यांत रुग्ण भारती, पीर वृन्दीच्या प. त्यांची भावना असलेल्या तळणाऱ्या परियथ कूळा वेणार आलेन.

१) नायक - परि बापु गायबनी
स्मारक समितीचे हो उतार
प्रकाशित.

२) राजीचा प्रसंग / परिस्थिती
(भितीची आवना)

नाशीकमध्यीत प्रसंग, इमारतीला
आग, परच्या मुजल्यावर छणव
मुने अडकली होती.

३) आईची व्यथा-अर्थविलेख
(दुर्दश)

मुले आईला आर्ट हाफ-आर्ट
वेडीपिकी, विनवनी

४) सांडसी तरुणाचे प्रयत्न
(सहानुशासी ऐम)

तरुणाने आवीची पर्यान
छरता मुलाना वाचविले.

५) मुठाची सुटका
(आनंद शोऱ्युक्त)

तरुणाचे शोऱ्युक्त, तर मुठाच्या
आईला आनंद.

६) गाईला वाचविले.
(आनंदी कृतार्थिता)

आवीत गाय आणि वासरोना
वाचविले. खत: ई आजूला
तरीही पांगते काळ शोऱ्युक्त

७) वाप्राव पंचतत्वात विलिन
(कृतार्था, दुर्दश, प्रशंशा आदर)

वाप्राव पंचतत्वात विलिन
लोऱ्युक्त दुर्दशी ज्ञाले. म. गांधीही

हुक्केहुक्के. काहसावद्वा
पारितोषिक्त. घन्य ती दीर

घन्य ती भारतीय संस्कृती

८) शान - विद्यार्थिना नायकाचा
परिचय करून देव्यास मदत करणे.
स्पष्टीकरण १) विद्यार्थी नायक
पे नाव सांगतो.

२) विद्यार्थी नायक त्याग
साहसी व त्यागी वृत्तीचा
होता हे सांगतो.

३) आफून - पाठातील प्रसंगातुन
विमान सावेत्या वेणवेशत्या
आवना समजातुन वेणवेश मदत
करणे.

स्पष्टीकरण - १) विद्यार्थी
आवीचा दुर्दश दायक प्रसंग वर्णित
करतो.

२) विद्यार्थी मुलांच्या आईपा
आनंद शोऱ्युक्त वर्णित करता.

३) उपयोजन - विद्यार्थिना प्राप्त
शानाचा उपयोग करूप्यास मदत
करणे.

स्पष्टीकरण - १) विद्यार्थी नवीन
काळांचा वाक्यान उपयोग करतो.

४) जनिकाची विद्यार्थिना या
घटकाविषयी आवड विमान देव्यास
मदत करणे.

स्पष्टीकरण १) विद्यार्थी किंवा
बापु गायबनी वदांची भाषीनी
आवडीने वाचतो.

२) विद्यार्थी सांख्यी कथा
आवडीन वाचतो.

३) आवडीनी पाठाविषयी वृत्तीविषय
करूप्यास मदत करणे.

महापुरात्मे एविष

परि बापु गायबनीपिंपि

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती | मुल्यांकन |
|--|---|--|
| <p>शीक्षण प्रक्रिया वाचन अनुसार परिदृष्टिनिवास मूल्यांचन क्रमात संसागतात. १) ऐप्रेशन छलकावर निर्दिशित.</p> <p>नाशिक शहरात कोणता दुर्भ- दायक प्रसंग घडला तो? :</p> <p>• हेतुप्रश्नाचे उत्तर स्विकृत राखीचा प्रसंग कथन करतात. आईची व्याप्ती कथन करतात. आवनादशी कृती करतात. विश्वास गोयधनीचे व्यिष दारखऱ्यात त्याच्या धार्साविषयी कथन करतात. पाठतीत नवीन शब्द लिहून देतात.</p> <p>मुलेची सुरक्षा कृती केली हे आभिनयाद्वारे संसागतात मुलेनाऱ्या सांगायण प्रोसारण देतात.</p> <p>बापूने गाईला वाच्यपिते हे स्पृह करतात. गाईच्या झोड- व्यापी आमतीरु कुथून करतात. बापूची कृतार्थता सांगतात बापूराव पंचात्वात विलिन शाळे हे अनेक आवदशी कृत्याच्या मार्गभाऱ्यात सांगतात विद्यार्थ्यनिही असा त्रिवादा प्रसंग सांगावयास सांगतात.</p> | <p>विद्यार्थी अवण करतात. विद्यार्थी मूल्यांचन करतात.</p> <p>विद्यार्थी हेतुप्रश्नाचे उत्तर देतात.</p> <p>विद्यार्थी चिन्हाचे विरक्षित करतात.</p> <p>विद्यार्थी अवण करतात. विद्यार्थी तिहुन घेतात.</p> <p>विद्यार्थी अवण करतात.</p> <p>विद्यार्थी अवण करतात.</p> <p>विद्यार्थी अवण करतात.</p> <p>विद्यार्थी अवण करतात.</p> | <p>प्र० १) पाठतीत नाशकाचे नाव काय होणे?</p> <p>२) नाशिक शहरातील दुर्भदायक प्रसंग योजवात सोगा?</p> <p>३) मुलेची सुरक्षा साल्भावर आईला शांतेल्या आवेदने पणी करतात?</p> <p>४) नाशिक शहरातील उड्डुका हेतू का होणे?</p> <p>५) बापूराव गोयधनी त्या नावाने कशासाठी पुरस्कार दिण जातो?</p> |
| <p>समावेष - आज आपण विविध गोयधनी या पाठातून भीमी, हुर्दण, सहानुभूमी, प्रेम आमती. कृतार्थता, कृतार्थता, प्रशंशा एवं आदर इत्याही अमेला आवश्यकता प्रदानातून दिल्या घेतात</p> | <p>विद्यार्थी अवण करतात.</p> | |

| फलक लेखन | |
|---------------------------|---|
| घटक | गद्य |
| उपघटक | परि वाप्र गायदगी |
| गुणवायक प्रसेग घड़ा होता. | १) बाईला वाचविते. |
| १) नायक | २) काकुप्रचार |
| २) राजीचा प्रकंग | १) कोठराम दिठे |
| ३) आईची ठेगा | २) अव मुठीत धरणे |
| ४) मुलांची शुटका | स्वाष्ट्याच - अफ्धाताळून भुटका द्यालेल्या मुलांचे मुलोगत लिणा. |

| उल्लेखनीय मुद्दे | कमजोर मुद्दे | सुधारणात्मक सूचना |
|------------------|--------------|-------------------|
| | | |

| घटक | अ | ब | क | ड | ई | घटक | अ | ब | क | ड | ई |
|-----------------------------|---|---|---|---|---|---------------------------------------|---|---|---|---|---|
| १) पाठ टाचण लेखन | | | | | | १०) वर्ग व्यवस्थापन | | | | | |
| २) संघटना | | | | | | ११) वैविद्यपूर्ण अध्ययन अनुभवाचा वापर | | | | | |
| ३) प्रारंभाची कार्यवाही | | | | | | १२) समारोप, कार्यवाही व स्वाध्याय | | | | | |
| ४) हेतुकथन | | | | | | १३) मूल्यमापन साधनाचा उपयोग | | | | | |
| ५) स्पष्टीकरण उदा. दाखले | | | | | | १४) मूल्यमापनातील विद्यार्थी प्रतिसाद | | | | | |
| ६) प्रश्न पद्धती | | | | | | १५) शिक्षक व्यक्तिमत्त्व | | | | | |
| ७) प्रबलन | | | | | | १६) विषय ज्ञान प्रभुत्व | | | | | |
| ८) फलक लेखन | | | | | | १७) नियोजनबद्ध कार्यवाही | | | | | |
| ९) चेतक बदल | | | | | | १८) वर्ग वातावरण | | | | | |

दिनांक :-

(सर्व हक्क स्वाधीन)

निरीक्षकांची सही

नांव :-

श्री मोनी विद्यापीठ
कर्मवीर हिरे महाविद्यालय
हु. मुख्यमंडळ, गारगोटी, जि. कोल्हापूर.
शिक्षणशास्त्र विभाग

पाठ टाचण

बी. ए. बी. इ. भाग २ / भाग ३ / भाग ४

छात्राध्यापकाचे नाव :- _____ वर्गानुक्रमांक :- _____

शाळेचे नाव :- _____ इयता व तुकडी :- _____

विषय :- _____ घटक :- **गाढ्य** उपघटक :- **भारत माझा देश आहे.**
अध्यापन पद्धती पाठ क्रमांक _____ एकूण पाठ क्रमांक _____ दिनांक **आण्य घटक विचार**
तासिकेची वेळ :- _____ विशिष्ट अध्यापन पद्धती :- _____

मार्गदर्शकांचे नाव :- _____ मार्गदर्शकाची सही :- _____

संदर्भ साहित्य :- **प्रतिशोधात्मक गाढ्य** हे पुस्तक.

अपेक्षित पूर्वज्ञान :- **मुक्तोना, भारत माझा देश आहे या प्रतिशोधात्मकी मार्ही आहे.**

सज्जता प्रवर्तन

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती |
|--|--|
| <p>शिक्षक पणी इसतमुख्याने प्रवेश करताना विद्यार्थ्यांचे अभिवादन रखिकारुन संत गाडगेलाबांचे चिन्ह दाखवितात. येथे आधारित प्रवर्ण विचारताना प्रश्न - १) हे चिन्ह कोणाचे? २) संत गाडगेलाबा कुशासाठी प्रसिद्ध आलेले? सरकारने संत गाडगेलाबांच्या नावाने आमस्वच्छता अभियान याचु घेलेआहे ते मुख्याना मार्ही आहे.</p> | <p>विद्यार्थी अभिवादन करताना विद्यार्थी उजारे देतात. संत गाडगेलाबा स्वच्छतेसाठी विद्यार्थी लवण करताना</p> |

हेतुकथन :-

मुंगांनो आज आपण यादूनाथ यन्हे यांचा भारत माझा देश आहे' या पाठातील विचार अध्यासाठार आलेले.

लेखक परिचय-

युनाश थंडे

जन्म १८२२

साधना सापाहित्य माजी
संपादक

पाठ्यांश

१) दाठना - लेखकोने प्रार्थना

एकाध्यावर, याचे मन सुखमोल
भारत आपला देश आहे असे
न नुगता माझा का वर
म्हणौ असेन असा प्रश्न
विचारतान.

२) पूर्णद्विराग गोस्ट-

संज्ञन प्रतिशा एकविष्णु
मृश्वल इतान. याच्या
अथष्वद्विविचार करीन
बालीन.

३) समस्या-

भारतातील बेडेशावातीठ
अस्वद्विवाता, गेसोरी सार्वजनिक
ठिकण्याची अस्वद्विवाता या विषे
यीचे विचार मांडले आणेल.

४) समस्येचे विशेषण-

नोकाना स्वतःच्या वस्तु
षद्विवेश व दुसऱ्याच्या वस्तु
षद्विवेशीकूरी पूजी अशी
मानसिक्का असे वर्णन दिल्ला
येते. (यामुळे सार्वजनिक
ठिकाणी अस्वद्विवाता निमित्ति
लेले.

५) उपाय-

१) मानसिक उपर्याख

२) सु-सु रेझोर्या अला
कमी रेज्या पाहिजे

३) मानसिक ठिकाणीका

फवरा, थळू नाये.

१) रान - विधायकांनी लेखकांचे नाव,
प्रतिशोधीत पालिले वाक्य माहित फक्त
पाठातील कट्टा समस्या माहित करेल
देशास मदत करणे.

२) स्पष्टीकरण - विधायकी लेखकांचे वापरांमध्ये
विधायकी प्रतिशोधीत पाहिजे वाक्य सांगतो.
विधायकी पाठातील घटना व समस्या
सांगतो.

३) आक्रमन - विधायकीला समस्या आपल्या
शब्दान् वर्णन करणास मदत करणे.
विधायकाला उपाय सुचाविष्यासाठी मदत
करणे.

४) स्पष्टीकरण - विधायकी समस्येचे
आपल्या शब्दान् वर्णन करतो.

५) विधायकी समस्येवर उपाय सुनविजो

६) उपयोगन - विधायकीना प्राप्त
रानांपा उपयोग करणास मदत करणे.
विधायकी सार्वजनिक खड्डाता राखतो.

७) आभिकर्त्या - विधायकाला घट्टापि
घरी आपडे निमित्त करणास मदत
करणे.

८) स्पष्टीकरण - १) विधायकी कर्त्ता
स्पष्टी केवलो २) विधायकी प्राप्तनांपा सेवा
करतो ३) विधायकी गायन न्यून्योग
संरभावी होतो.

९) आभिकर्त्या - विधायकी स्वद्विवाता
एजी अंगी वानविष्यास मदत करणे.
विधायकाला वेशानिक प्रक्रियेने विचार
करणास मदत करणे.

१०) स्पष्टीकरण - १) विधायकी गायन

११) विधायकी वेशानिक प्रक्रियेने विचार
करणास मदत करणे.

१२) विधायकी गायन न्यून्योग
संरभावी होतो.

१३) विधायकी वेशानिक प्रक्रियेने विचार
करणास मदत करणे.

१४) विधायकी गायन न्यून्योग
संरभावी होतो.

संत गाऊडे बाबांचे चित्र

कलरा कोंडाळ्यांचे चित्र.

सुंदर वराचे फोटोफ्रेम.

| शिक्षक कृती | विद्यार्थी कृती | मुख्यमापन |
|---|--|---|
| १ शिक्षक नेवक परिचय सांगतात व व्यानंतर पाठाचे प्रष्ट वाचन करतात. | विधार्थी अवण करतात. | १) पाठातील मुख्य समस्या शोणती आहे. |
| २ शिक्षक ऐप्रवन कलावर लिहित देतात व विधार्थिना मुकवाचन करावयास संगतात. | विधार्थी मुकवाचन करतात. | २) मासा उनाणी आप वा शाढातील फुरळांका. |
| ३ शिक्षक नवीन शाद मिहिन देतात अथ सोगतात. | विधार्थी नवीन राष्ट्र किंवा वेजात. | ३) पाठातील समस्येचे येऊव्यात वर्णन करा. |
| ४ शिक्षक पाठ्यांशातील घटेचे कथन छरतात. | विधार्थी अवण करतात. | ५) अस्वद्धाता गुरु उरथासाठी गुरुही उपार्द उच्चवा. |
| ५ शिक्षक प्रतिज्ञेतील शादा - विषयाचे नेवकाचे विचार स्पष्ट करतात यासाठी अबेळ उदाहरणाच्या साहित्यात उपयोग करतात. | विधार्थी अवण करतात. | |
| ६ शिक्षक पाठातील मुख्य समस्या सांगुन निचे विश्वेषण उदाहरणाच्या साहित्याने करतात. | विधार्थी समस्या संगुन घेता. | |
| ७ शिक्षक पाठातील समस्येव विविध उपाय विचारतात उपवतात व याम विधार्थिचा सहभाग घेतात. | विधार्थी सावजिनिक स्वद्धातीवृच्चे उपाय सोगतात. | |
| ८ समारोप अशाप्रकारे आपण या पाठातुन नेवकाने भांडलेली समस्या पाहिली व व्यापरचे उपाय आविले. तर क्लासन मार्गिगिळा ठिकाणी स्वप्नाती नाही. शरवाती वाचिकाची मार्गिती पाहिली. | विधार्थी अवण करतात. | |

| फलक लेखन | | |
|---|--|------------|
| घटक - | गद्य | दि: |
| उपर्युक्त - | भारतभाषा देवा आहे. | इयता आठवी. |
| हेतुप्रश्न - या पाठातील प्रमुख समस्या कोणती आहे? | पाकृप्रचार | |
| मवीन शब्द | १) कृत्यपना करणे | |
| १) प्राथना | २) विचारात पडणे | |
| २) प्रतिज्ञा | स्वाध्याय - यदुनाथ थते यांचे प्रतिक्रिया पाठ्यपुस्तकातील हे उस्तक काचा. | |

| उल्लेखनीय मुद्दे | कमजोर मुद्दे | सुधारणात्मक सूचना |
|------------------|--------------|-------------------|
| | | |

| घटक | अ | ब | क | ड | ई | घटक | अ | ब | क | ड | ई |
|-----------------------------|---|---|---|---|---|---------------------------------------|---|---|---|---|---|
| १) पाठ टाचण लेखन | | | | | | १०) वर्ग व्यवस्थापन | | | | | |
| २) संघटना | | | | | | ११) वैविध्यपूर्ण अध्ययन अनुभवाचा वापर | | | | | |
| ३) प्रारंभाची कार्यवाही | | | | | | १२) समारोप, कार्यवाही व स्वाध्याय | | | | | |
| ४) हेतुकथन | | | | | | १३) मूल्यमापन साधनांचा उपयोग | | | | | |
| ५) स्पष्टीकरण उदा. दाखले | | | | | | १४) मूल्यमापनातील विद्यार्थी प्रतिसाद | | | | | |
| ६) प्रश्न पद्धती | | | | | | १५) शिक्षक व्यक्तिमत्त्व | | | | | |
| ७) प्रबलन | | | | | | १६) विषय ज्ञान प्रभुत्व | | | | | |
| ८) फलक लेखन | | | | | | १७) नियोजनबद्ध कार्यवाही | | | | | |
| ९) चेतक बदल | | | | | | १८) वर्ग वातावरण | | | | | |

दिनांक :-

(सर्व हक्क स्वाधीन.)

निरीक्षकांची सही
नाव :- _____